माननीय उपराष्ट्रपति के द्वारा प्रथम अंतर्राष्ट्रीय कला मेला का उद्घाटन

4 फरवरी, नयी दिल्ली

प्रथम अंतर्राष्ट्रीय कला मेला का उद्घाटन **भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री एम.वैकया नायडू** द्वारा **माननीय संस्कृति मंत्री डॉ. महेश शर्मा** की गरिमामय उपस्थिति में इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र में किया गया।

सभी माननीय अतिथियों ने दीप प्रज्वलित करके सामारोह का उद्घाटन किया. इस मौके पर **भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री एम.वैकया नायडू** ने भारतीय कला, संस्कृति और उसके महत्व पर चर्चा की. उन्होंने कहा कि, " अलग भाषा, अलग वेश, फिर भी अपना एक भारत देश. विविधता में एकता, भारत की विशेषता. 'सर्वे जना सुखीन भवन्तु' इस देश का मूल दर्शन है. अंतर्राष्ट्रीय कला मेला सिर्फ भारत का कला मेला नहीं है, अंतर्राष्ट्रीय कला मेला है. देश में यह अपनी तरह का अनूठा आयोजन है. इस मेले का आयोजन कला की प्रदर्शनी के अलवा देश-विदेश के कलाकारों को एक प्लेटफ़ॉर्म देने के लिए भी हुआ है. यह एक बड़ा अंतर्राष्ट्रीय उत्सव है."

माननीय संस्कृति मंत्री डॉ. महेश शर्मा ने मौके पर बोलते हुए कहा कि, " भारत की पहचान इसकी घनी संस्कृति में है. प्रथम अंतर्राष्ट्रीय कला मेला के उद्घाटन के मौके पर माननीय उपराष्ट्रपति की उपस्थिति इस बात का परिचायक है कि वह चाहते हैं कि भारत की इस घनी संस्कृति की खुशबू दुनिया के कोने-कोने तक जाए."

उन्होंने इस अवसर पर ललित कला अकादेमी के प्रशासक श्री सि.एस.कृष्ण सेट्टि और उनकी पूरी टीम को इस मेले के आयोजन पर बधाई दी.

स्वागत भाषण **ललित कला अकादेमी के प्रशासक श्री सि.एस.कृष्ण सेट्टि** के द्वारा दिया गया. उनके शब्दों में "अकादेमी ने पहली बार इतने बड़े स्तर पर अंतर्राष्ट्रीय कला मेला का आयोजन किया है। यह उन कलाकारों के लिए एक सुनहरे अवसर की तरह है जो कला

दीर्घाओं में कलाकृतियों का प्रदर्शन करने में समर्थ नही हैं। कला समुदाय के प्रति एक मजबूत प्रतिबद्धता रखते हुए यह कला मेला कलाओं में आधुनिक प्रवृतियों के समकालीन प्रवाह की मिसाल देखने का अनूठा अवसर प्रदान करेगा। कुल मिलाकर यह अपनी तरह का पहला और कला जगत में मील का पत्थर साबित होगा."

उद्घाटन समारोह में धन्यवाद ज्ञापन **इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी** के द्वारा किया गया. उन्होंने सभी माननीय अतिथियों सहित सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया. उन्होंने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि, "पंद्रह दिनों का अंतर्राष्ट्रीय कला मेला सिर्फ एक मेला नहीं है. कलाकारों का तीर्थ है."

उद्घाटन के पश्चात् श्रीलंका के करुणादास ओलाबोडुवा नृत्य समूह द्वारा लोक नृत्य और भारत के पंडित हरीश गंगानी एवं साथियों द्वारा कथक गायन की प्रस्तुति दी गयी।

अंतर्राष्ट्रीय कला मेला ललित कला अकादमी द्वारा आयोजित किया गया है. इसमें आठ सौ से अधिकार कलाकार शामिल हो रहे हैं और तकरीबन तीन सौ पच्चीस स्टॉल लगाए गए हैं. मेले में शामिल होने के लिए चीन, वेनेज़ुएला, पेरू, पुर्तगाल, श्रीलंका, पोलैंड, ट्यूनीशिया, मेक्सिको, बांग्लादेश, त्रिनिदाद, टोबागो, फिजी, फ़्रांस, इंग्लैंड, ब्राजील सरीखे देशों से कलाकार आये हैं. यह दिनांक 4 से 18 फरवरी, 2018 तक इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र में आयोजित किया जा रहा है.

ललित कला अकादेमी का परिचय

देश में कला और कलात्मक प्रवृत्तियों के प्रचार-प्रसार एवं संरक्षण के लिए ललित कला अकादेमी का गठन 5 अगस्त, 1954 को भारत सरकार ने किया था। यह वैधानिक स्वायत्त निकाय है जो सोसायटी के रूप में 1957 से पंजीकृत है। इस राष्ट्रीय कला अकादेमी का ध्येय भारत की विविध प्राचीन, आधुनिक एवं समकालीन कला प्रवृत्तियों, कला विधाओं एवं कलाकृतियों का प्रचार, प्रसार, संरक्षण एवं नियोजन करना है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अकादेमी विभिन्न फेलोषिप एवं स्काॅलरषिप भी प्रदान करती है। ललित कला अकादेमी के नई दिल्ली स्थित केंद्रीय कार्यालय के अलावा देश के विभिन्न अंचलों में क्षेत्रीय कला केंद्र भी स्थित हैं।